Patrika (Indore), 11th July 2022, Page - 03

समझौते के बाद कई सेवाओं में आपसी सहयोग से आगे बढ़ेंगे

आइआइटी-एनएचएआइ साथ करेंगे काम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आईआईटी और एनएचएआई अब विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ काम करेंगे। रविवार को एक समझौता हुआ है जिसमें आईआईटी द्वारा निर्माण की गुणवत्ता में सुधार, संरेखण सुधार और अन्य सेवाओं में तकनीकी परामर्श के क्षेत्रों को शामिल किया है। आईआईटी पीआरओ कमांडर सुनील कुमार ने बताया कि एनएचएआई, संस्थान के प्रशिक्षुओं को, वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। यह समझौता ज्ञापन दोनों संगठनों के लिए एक हरित पहल का एक हिस्सा है और यह भविष्य की सडक़ विकास परियोजनाओं का एक मॉडल स्थापित करेगा। इसके अलावा, संस्थान सिमरोल में अपने परिसर के अंदर राजमार्गों के निर्माण के दौरान, वन विभाग के समन्वय से, प्रतिरोपण के माध्यम से हटाए जाने वाले पेड़ों को अपनाने की संभावना तलाश करेगा। संस्थान की और से सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनएचएआई से तालमेल को आगे बढ़ाने के लिए नोडल बिंदु होगा। मध्य भारत में सड़क सुरक्षा और राजमार्ग निर्माण की गुणवत्ता में सुधार के लिए काम करने का भी निर्णय लिया गया। इंदौर भी अपनी प्रयोगशालाओं में परीक्षण सुविधाओं एनएचएआई को देगा। इसके लिए क्षेत्रीय अधिकारी विवेक जायसवाल और परियोजना निदेशक एनएचएआई मनीष असाटी ने आईआईटी निदेशक प्रो. सुहास जोशी के साथ आईआईटी का दौरा किया। डीन, सिविल इंजीनियरिंग के प्रमुख व संस्थान के अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता पर हस्ताक्षर किए गए।